हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज,
प्रयागराज, उत्तरप्रदेश (भारत)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन
www.researchculturesociety.org

इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उत्तरप्रदेश (भारत)

हिन्दी भाषा में जनसंपर्क व लोकसंवाद के विविध आयाम: चुनौतियां एवं अवसर

राष्ट्रीय सम्मेलन - राष्ट्रीय हिंदी दिवस विशेष

दिनांक : 14 & 15 सितंबर, 2020.

पंजीकरण लिंक :
https://forms.gle/7XVbbN62rEjEu7RC7

वेबसाइट से पंजीकरण:
www.researchculturesociety.org

शोध पत्र / लेख ISBN पुस्तक और ISSN पीयर-रिव्यू जर्नल्स में प्रकाशित किए जाएंगे ।

संपर्क 1 : +91 9793683222

संपर्क 2 : +91 6306601307

ई-मेल : haseena15bano@gmail.com

आयोजक संस्थानों के बारे में:

हमीदिया गर्ल्स डिग्री कॉलेज यह अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष 1975 में स्थापित हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज इलाहाबाद विश्वविद्यालय का अल्पसंखयक संघटक महाविद्यालय है। यहाँ पर कला संकाय, वाणिज्य संकाय एवं फैकल्टी आफ वोकेशन तीन संकाय है। बी.ए. बी.काम एवं बी.वाक, एम.ए, एम वोक के कोर्सेज़ चल रहे हैं। छात्राओं को व्यवसायिक शिक्षा प्रदान करके उन्हे रोजगार से जोड़ने का निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। शिक्षा का उद्देश्य समाज का उत्थान एवं विकास करना है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन यूनिट कार्यरत है। छात्रायें इससे जुड़ कर समाज के उत्थान हेतु विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हैं। महाविद्यालय में समय-समय पर सेमिनार वर्कशाप ट्रेनिग प्रोग्राम का आयोजन कराने का उद्देश्य न केवल छात्राओं एवं शिक्षिकाओं को प्रशिक्षित करना बल्कि समाज-विशेषकर अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षित एवं जागरुक करना है ताकि वे देश की मुख्य धारा का हिस्सा बन सकें।

'रिसर्च कल्चर सोसायटी' एक सरकार पंजीकृत वैज्ञानिक अनुसंधान संगठन है। समाज गुणवत्ता और गैर-लाभकारी सेवाओं को प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान समुदाय के लिए काम कर रहा है।

सम्मेलन के उद्देश्य: उद्देश्य: हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर इस वर्ष महाविद्यालय का हिन्दी विभाग अन्य विभागों के साथ मिलकर वर्तमान चुनौती पूर्ण युग में बौद्धिक संवर्धन हेतु वेब संगोष्ठी आयोजित कर रहा है जिसमें भारत के विभिन्न प्रान्तों के बुद्धिजीवियों शिक्षकों व शोध कार्य से जुड़े लोगों के विचारों का आदान प्रदान इसका मुख्य उद्देश्य है। यह वेब मंच हिन्दी भाषा के विविध आयामों पर चर्चा करने का प्रयास है। इस वेब संगोष्ठी का उद्देश्य इस दिशा में कार्य करना है कि भारत में लोगो के बीच संवाद का हिन्दी एक सुदृढ माध्यम है समकालीन कोरोना काल में अभिव्यक्ति का एक स्वरूप वेब कांफ्रेंस का यह मंच है जिसमे हिंदी के विविध पक्षों के जानकार अपने अपने दृष्टिकोण को साझा कर सकते है । भाषा के साथ जनसंवाद के स्तर को और आगे ले जाने के लिए निरंतर हिंदी भाषा के विविध आयामों के प्रसार की आवश्यकता है | भारत एक विविधता पूर्ण देश होने के कारण हिन्दी भाषा के समक्ष विभिन्न चुनौतियाँ हैं। इसके बावजूद यह भाषा देश को एक साथ जोड़कर वैश्विक स्तर पर इसकी पहचान निरन्तर बना रही है।

भूमिका : भाषा विचारों के सुगम और सम्पूर्ण विनिमय का माध्यम है संसार की सर्वोत्कृष्ट कृति, मनुष्य जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त भाषा के माध्यम से ही अपने भावों की अभिव्यक्ति करने में सक्षम हो पाता है और उसके जीवन की सफलता में भाषा की महत्वपूर्ष भूमिका होती है| हिंदी भाषा में विचारों के विनिमय की अद्भुत क्षमता है जिसके कारण हिंदी के जनसम्पर्क की प्रक्रिया निरंतर बढ़ती जा रही है | हिंदी भाषा में अपनी अभिव्यक्ति के लिए अन्य भाषाओं के व्यवहार में प्रचलित शब्द भण्डार को ग्रहण करने की क्षमता ने भी इस भाषा की संप्रेषणीयता की शक्ति को कई गुना बढ़ा दिया है | जनसंचार के माध्यमों में हिन्दी की बढती स्वीकार्यता और लोकप्रियता इसका प्रमाण है | हिंदी की इन्ही विशेषताओं ने इसे रोजगार के अवसरों के साथ जोड़ दिया है| भारत विभिन्न बोलियों का देश है इस विविधता को हिन्दी भाषा के उन्नयन द्वारा देश में भावात्मक एकता को समृद्ध करने में हिन्दी की महत्वपूर्ण भूमिका है भाषा के साथ जनसंवाद के स्तर को और आगे ले जाने के लिए निरंतर हिंदी भाषा के विविध आयामों के प्रसार की आवश्यकता है | हिन्दी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। हिन्दी सभी भारतीय भाषाओं के प्रचलित शब्दों को समाहित करके सही मायने में भारत की सम्पर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। भाषा वही जीवित रहती है जिसका जनता प्रयोग करती है। इसीलिए हिन्दी जन आन्दोलनों की भाषा रही है। सोशल मीडिया सूचना प्राद्योगिकी में हिन्दी का प्रयोग बढ़ रहा है। वर्तमान कोरोना काल में अभिव्यक्ति का एक स्वरूप वेब कांफ्रेंस का यह मंच है जिसमे हिंदी के विविध पक्षों और आयामों के जानकार अपने अपने दृष्टिकोण को साझा कर सकते है |

उपविषय

- भारत में जनसमपर्क व लोकसंवाद का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
- जनसपपर्क भाषा के रूप में हिन्दी
- भारत के विभिन्न स्थानों की बोलियां व हिन्दी भाषा में लोकसंवाद का सम्बन्ध
- हिंदी और हिंदी परिवार की भाषाओ के अन्तर्सम्बंध के विविध आयाम
- सोशल मीडिया में जगह बनाती हिन्दी का नया रूप
- सांस्कृतिक अस्मिता के साथ हिन्दी की पहचान का विमर्श
- आदिवासी भाषायें और हिन्दी का अन्त:सम्बंध की तलाश
- तकनीकी लेखन और हिन्दी की नई संभावनाए
- रोजगार के निकष में हिंदी
- नयी शिक्षा नीति में हिन्दी की भूमिका
- साहित्य के स्वरूप को गढ़ती आज के दौर की हिन्दी
- भावात्मक एकता के पथ पर हिन्दी
- विज्ञापन और मीडिया में सवरती -निखरती हिन्दी
- हिन्दी माध्यम में करियर की चुनौतियाँ
- विभिन्न भाषाओं में अनुवाद की सम्भावनाएं और रोजगार के क्षेत्र में उपादेयता

इन उप-विषयों के अलावा, शोध लेख एक समान विषय पर प्रस्तुत किए जा सकते हैं जो सम्मेलन मुख्य विषय से संबंधित हैं।

: पंजीकरण और भागीदारी का विवरण :

पंजीकरण लिंक : https://forms.gle/7XVbbN62rEjEu7RC7

विविध संकायों के शिक्षक, पीएचडी-एम फिल शोधार्थी, स्नातकोत्तर व स्नातक छात्र, स्वतंत्र शोधकर्ता, उद्योग प्रतिनिधि या इच्छुक नागरिकों हेतु । साहित्य, पत्रकारिता, मीडिया, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन, वाणिज्य, शिक्षा, अनुसंधान आदि।

शोध पत्र / लेख - प्रस्तुतकर्ता को पुस्तक और ऑनलाइन जर्नल प्रकाशन पत्र प्रदान किया जाएगा । सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। (ई-प्रमाण और इलेक्ट्रॉनिक प्रति ईमेल द्वारा प्रदान की जाएगी। डाक शुल्क अतिरिक्त)

प्रस्तुतिकरण और प्रकाशन के लिए लेख / पत्र और पोस्टर प्रस्तुति आमंत्रित है। (शोध पत्र / लेख : न्यूनतम - 1000, अधिकतम - 3500 शब्द)

पृष्ठ -A4, हाशिया - 2.1 सेमी प्रत्येक तरफ़, फ़ॉन्ट्स - मंगल / यूनिकोड / निर्मला, शब्द आकार - 11, शीर्षक - 18, तालिका, चार्ट, चित्र पृष्ठ के मध्य में होना चाहिए । शीर्षक - लेखक का नाम, संबद्धता, ईमेल, पता, पिनकोड, संपर्क नंबर - शोधसार - कुंजी शब्द - परिचय - मध्य निकाय - निष्कर्ष / सारांश - संदर्भ (एपीए)

जमा करने की अंतिम तारीख : ईमेल के माध्यम से			
शोधसार	**शोध पत्र / लेख**	**पंजीकरण**	**भागीदारी शुल्क**
08/09/2020	**10/09/2020**	**13/09/2020**	**13/09/2020**

ई-मेल : **haseena15bano@gmail.com**

पंजीकरण / भागीदारी / प्रस्तुति / प्रकाशन शुल्क:

प्रतिभागी	विवरण	शोध विद्यार्थी / शोधकर्ता / विद्यार्थी	प्राध्यापक / व्याख्याता	उद्योग प्रतिनिधि / कोई भी नागरिक
भारतीय	शोध पत्र / लेख प्रस्तुति के साथ (1 author / person*)	Rs.500	Rs.700	Rs.700
	प्रत्येक अतिरिक्त सह-लेखक / व्यक्ति *	Rs.100	Rs.100	Rs.100
	डाक शुल्क	Rs.100	Rs.100	Rs.100
	केवल शोध पत्र प्रकाशन / अतिरिक्त पुस्तक की प्रतिलिपि	Rs.500	Rs.500	Rs.500
	केवल ई-प्रमाण पत्र (1 *)	Rs.100	Rs.100	Rs.100

पंजीकरण के बाद प्रतिभागियों को ईमेल के माध्यम से हमारे बैंक खाते का विवरण प्राप्त होगा।

G Pay or Paytm **+ 91 9033767725**

ऑनलाइन भुगतान हेतु - लिंक पर क्लीक करें : http://researchculturesociety.org/payment/

प्रकाशन: सभी चयनित लेख ISBN पुस्तक में और ISSN पीयर-रिव्यू जर्नल्स में प्रकाशित किए जाएंगे ।

आयोजक समिति : विषय-विशेषज्ञ एवं सत्र अध्यक्ष (Committee & Session Chair)

आयोजक समिति :

श्रीमती तज़ीन एहसान उल्ला, प्रबन्धिका हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज

डॉ. यूसुफ़ा नफ़ीस, प्रचार्या, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज

डॉ. सी. एम. पटेल, अध्यक्ष, रिसर्च कल्चर सोसाईटी.

डॉ. हसीना बनो, विभाग संयोजक हिन्दी, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज

श्रीमती नासेहा उसमानी, विभाग संयोजक, उर्दू तथा जर्नलिज़म एवं मास कम्यूनिकेशन, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज प्रयागराज

डॉ. सबीहा आज़मी, समन्वयक IQAC प्रकोष्ठ, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज

श्रीमती कशिश फातिमा, पुस्तकालय अध्यक्ष, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज

विषय विशेषज्ञ और सत्र अध्यक्ष:

प्रोफेसर योगेन्द्र प्रताप सिंह, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. कंचन यादव, प्राचार्या, श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय, फाफामऊ प्रयागराज

श्री रवि नन्दन सिंह, पूर्व कोषाध्यक्ष, हिन्दुसतानी एकेडमी, प्रयागराज

श्री यशमालवीय, हिन्दी कवि और फिल्म स्क्रिप्ट लेखक

डॉ. मुकेश कुमार मिरोठा, असिस्टेंट प्रोफेसर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली

डॉ. वीरेन्द्र प्रताप, असिस्टेंट प्रोफेसर, इन्दिरा गांधी नेशनल ट्राईबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक, मध्य प्रदेश

श्री दिनेश सिंह, विज़िटिंग फैकल्टी, जर्नलिज़म एन्ड मास कम्यूनिकेशन विभाग, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज प्रायागराज

डॉ. हसीना बनो, विभाग, संयोजक हिन्दी, हमीदिया गर्ल्स डिग्री कालेज, प्रयागराज

विषय विशेषज्ञ और सत्र अध्यक्ष:

डॉ. विनोद शर्मा, निदेशक, राजस्थान स्टडीज सेण्टर, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

प्रो. मलय पानेरी, अध्यक्ष एवं आचार्य हिन्दी-विभाग, जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर

डॉ कुंजन आचार्य, सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष, पत्रकारिता विभाग मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर.

डॉ. मोहसिन ख़ान, स्नातकोत्तर हिंदी विभागाध्यक्ष एवं शोध निर्देशक, जे एस एम महाविद्यालय, अलीबाग (महाराष्ट्र)

डॉ. अनीता शुक्ल, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग महाराजा सयाजीराव, विश्वविद्यालय बड़ौदा (गुजरात)

डॉ. विदुषी आमेटा, अध्यक्ष, हिंदी-विभाग, माधव विश्वविद्यालय, पिण्डवाड़ा (राजस्थान)

डॉ. हमीरभाई पी. मकवाना , प्राचार्य श्री, जे एम.पटेल पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज & रिसर्च इन हुमिनिटीज़, आणंद (गुजरात)

डॉ. अनु मेहता, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, आणंद इंस्टिट्यूट ऑफ़ पी.जी. स्टडीज इन आर्ट्स, आणंद (गुजरात)

डॉ. भोलानाथ, एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी, गवर्नमेंट कॉलेज, कोटद्वार, भाबर, पौड़ी-गढ़वाल, उत्तराखंड.

डॉ. सतीश कुमार ओजा, सहायक प्रोफेसर, अनुग्रह नारायण सिन्हा मेमोरियल कॉलेज, औरंगाबाद, बिहार.

डॉ. सरोज सिंह, सीएमपी डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

डॉ. राजेश कुमार गर्ग, हिंदी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज